शोधार्थी- **वेद प्रकाश**

शोध निर्देशिका- **प्रो. इंदु वीरेंद्रा**

विभाग- **हिन्दी**

विषय- **'हिन्दी की स्त्री और दलित आत्मकथाओं का तुलनात्मक अध्ययन'**

प्रस्तुत शोध प्रबंध स्त्री और दलित आत्म कथाओं के तुलनात्मक अध्ययन पर केन्द्रित है। इस कारण इन आत्मकथाओं के लिए तुलनात्मक के साथ-साथ समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक शोध पद्धति का सहारा लिया गया है। इस क्रम में दलित और स्त्री जीवन से संबंधित तथ्यों को उजागर करने का प्रयास किया गया है। सांस्कृतिक-सामाजिक परिवेश, आर्थिक आधार, प्रेम और यौन मान्यताएँ, भाषा शैली से संबंधित विचारों के तुलनात्मक अध्ययन का प्रयास मुख्य रूप से किया गया है।

आत्मकथाकार जब आत्मकथा लिखता है तब वह किसी कल्पना लोक में विचरण नहीं करता है और न ही वह कोई स्वप्न देखता है बल्कि अपने जीवन के तमाम अच्छे-बुरे प्रसंगों को बिना किसी काँट-छाँट के प्रस्तुत करता है। यही कारण है कि दलित और स्त्री आत्मकथाओं में भोगे गए यथार्थ का चित्रण मुखरता के साथ हुआ है। स्त्री एवं दलित आत्मकथाओं में चित्रित जीवन के अंतर्गत एक नई और अलग दुनिया की संघर्ष गाथा दिखाई पड़ती है। ये आत्मकथाएँ स्त्री और दलित जीवन के इतिहास की दस्तावेज़ हैं।

स्त्री और दलित आत्मकथाओं में अपने अस्तित्व, अधिकार और आजादी के लिए संघर्ष गाथा का मार्मिक चित्रण प्रस्तुत हुआ है। इन आत्मकथाओं में केवल स्वयं के दुख-दर्द को ही चित्रित नहीं किया गया है बल्कि इनका फ़लक काफी व्यापक है। इन आत्मकथाओं में दलित और स्त्री जीवन की चुनौतियों और दुश्वारियों के चित्रण के अतिरिक्त विस्थापन का दर्द, आर्थिक लाचारी और भूमंडलीकरण के भयावह परिणामों को भी उजागर किया गया है।

स्त्री और दलित आत्मकथाओं में भारतीय सामाजिक-सांस्कृतिक स्वरूपों की अनेक झलकियाँ देखने को मिलती हैं। कहीं जाति के नाम पर दलित वर्ग के लोगों को अपमानित किया गया है तो कहीं कमजोर होने के कारण उनका शोषण किया गया है। स्त्री आत्मकथाओं में सामाजिक और आर्थिक अत्याचारों का चित्रण हुआ है। अपमान, अत्याचार और सामाजिक विकृतियों के बावज़ूद दलित और स्त्री आत्मकथाओं के जीवन के प्रति अटूट आस्था का अंकन हुआ है।

विषय सूची-

1. **आत्मकथा : अर्थ, स्वरूप और अवधारणा**
2. **आत्मकथा लेखन की परंपरा**
3. **पारंपरिक आत्मकथा लेखन तथा स्त्री और दलित आत्मकथाएँ**
4. **स्त्री और दलित : हिन्दी आत्मकथाओं का तुलनात्मक विश्लेषण**
5. **शिल्प के स्तर पर स्त्री एवं दलित आत्मकथाएँ**

उपसंहार

संदर्भ-ग्रंथ सूची